केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा गांव बेगमपुरा (करनाल) में महिला किसान क्षमता वृद्धि पर गोष्ठी का आयोजन

आज दिनांक 28 अक्तूबर, 2017 को केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा गांव बेगमपुरा (करनाल) में एक महिला किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी के संयोजक डा. रंजय कुमार सिंह ने किसानों को संस्थान द्वारा विकसित जोखिमपूर्ण पारिस्थितिकि के लिये विकसित विभिन्न तकनीकियों की जानकारी देने के साथ यह बताया कि किस तरह जोखिम भरे पारिस्थितिकि में महिला कृषकों की क्षमता वृद्धि की जाये जिससे वे अपनी जीविका को समगतिशील बना सकें। इस गोष्ठी में करीब 40 महिला एवं पुरुष किसानों ने भाग लिया तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड, शून्य जुताई, धान की पराली का मृदा स्वास्थ्य की वृद्धि के लिये उपयोग, ऊसर जमीन में लवण सहनशीन गेहूँ की प्रजाति केआरएल–210 का उपयोग तथा इसी प्रजाति का बीज उत्पादन करके महिला कृषकों की जीविका को मजबूत करना और सामूहिक तौर पर किस तरह ऊसर प्रभावित मृदा संसाधन का समगतिशील प्रबंधन किया जाये, जैसे मुद्दों पर गंभीर विचार–विमर्श किया गया। बदलते हुए जलवायु के लिये आवश्यक सस्य क्रियाएं तथा तकनीकियों पर महिलाओं ने काफी रूचि दिखायी। महिला कृषकों ने सुझाया कि उन्हें मृदा स्वास्थ्य तथा बीज उत्पादन के उत्कृष्ट मानदंडों तथा प्रक्रियाओं के ऊपर सतत प्रशिक्षण एवं नीतिगत तथा तकनीकी सहायता की जरूरत है जिसके लिये केमृलअनुसं, करनाल तथा जिला कृषि विभाग एक समन्वयक की भूमिका निभा सकते हैं। पूर्व कृषि अधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह ने बेगमपुरा गांव के ऐतिहासिक पारिस्थितिकीय बदलावों तथा तकनीकी समावेश एवं वर्तमान चुनौतियों पर महिलाओं के लिये वैज्ञानिकों एवं संस्थागत धारकों से सहयोग जैसी बातों पर सभी का ध्यान आकर्षित किया। गांव के सरपंच की तरफ से प्रगतिशील किसान श्री विकास कुमार ने केमृलअनुसं–करनाल की तरफ से गांव की करीब 100 एकड़ ऊसर प्रभावित सामुहिक जमीन के लिये मृदा परीक्षण तथा लवण सहनशील प्रजातियों जैसी तकनीकियों के सहयोग के लिये अनुरोध किया तथा इस गोष्ठी में भाग लेने वाले सभी धारकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।